

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
10.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1782 का उत्तर

एबीएसएस के तहत नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

1782. श्री रामवीर सिंह बिधुड़ी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत दिल्ली में कुल कितने रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाना है;
- (ख) नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है; और
- (ग) राजधानी के शेष रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास करने के लिए कुल 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 13 स्टेशन दिल्ली राज्य में स्थित हैं। दिल्ली राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास करने हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
दिल्ली	13	आदर्श नगर दिल्ली, आनंद विहार, बिजवासन, दिल्ली, दिल्ली कैंट, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली शाहदरा, हज़रत निज़ामुद्दीन, नरेला, नई दिल्ली, सब्जी मंडी, सफदरजंग, तिलक ब्रिज

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का विकासात्मक कार्य दिल्ली राज्य में तेज गति से शुरू कर दिया गया है। उदाहरणार्थ:

- सफदरजंग स्टेशन पर, सिगनल एवं दूरसंचार भवन का निर्माण कार्य पूरा किया गया है और यहां कार्य करना शुरू कर दिया गया है। स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा किया गया है और फिनीशिंग और यांत्रिक, बिजली, प्लंबिंग (एमईपी) का कार्य शुरू किया गया है। संचालन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा किया गया है और फिनीशिंग कार्य शुरू किया गया है। एयर कॉन्कॉर का नींव संबंधी कार्य पूरा किया गया है और स्तंभो का निर्माण और गर्डर का प्रक्षेपण का कार्य शुरू किया गया है। प्रस्थान प्लाजा कैनोपी का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। प्लैटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान, परिचलन सुधार और पहुंच मार्ग का कार्य शुरू किया गया है।
- बिजवासन स्टेशन पर, स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा किया गया है; चिनाई का कार्य और फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं। एयर कॉन्कॉर्स का निर्माण, नींव और स्तंभ का कार्य, गर्डरों की लॉन्चिंग और डेक स्लैब खोलने का कार्य पूरा हो चुका है और छत बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य शुरू कर दिया

गया है। बिजली उप-स्टेशन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो किया गया है और ट्रेंच बिछाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और सबवे का संरचनात्मक कार्य पूरा किया गया है और फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।

- दिल्ली कैंट स्टेशन पर, स्टेशन भवन के पूर्वी भाग की ओर (भाग 1) का संरचनात्मक कार्य और आवासीय क्वार्टर का संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। स्टेशन भवन के पूर्वी भाग की ओर (भाग 2) का संरचनात्मक कार्य, एलिवेटेड रोड, आगमन और प्रस्थान कॉनकॉर का संरचनात्मक कार्य और स्टेशन भवन के पूर्वी भाग की ओर (भाग 1) की फिनिशिंग कार्य शुरू किया गया है।
- तिलक ब्रिज स्टेशन पर, प्लेटफार्म संख्या 4 और 5 की सतह निर्माण का सुधार कार्य, पहुँच मार्ग और अस्थायी बुकिंग खिड़की का निर्माण कार्य पूरा किया गया है और नई स्टेशन भवन का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।
- सब्जी मंडी स्टेशन पर, धुलनीय एप्रन और पानी भरने की सुविधा के साथ नए प्लेटफार्म का निर्माण, प्लेटफार्म सतह का सुधार, प्रवेश मार्ग को चौड़ा करने और यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) को पुनर्निर्मित भवन में स्थानांतरित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है तथा नयी स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, शौचालय ब्लॉक की फिनिशिंग इत्यादि का कार्य शुरू हो गया है।
- नरेला स्टेशन पर, प्लेटफार्म सतह का सुधार कार्य, प्लेटफार्म संख्या 2 को चौड़ा करने का कार्य, अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टर का प्रावधान, बुकिंग खिड़की का स्थानांतरण, शौचालय ब्लॉक का फिनिशिंग इत्यादि का कार्य शुरू किया गया है।

- नई दिल्ली स्टेशन पर, अजमेरी गेट की ओर ठहराव क्षेत्र की व्यवस्था का कार्य पूरा हो गया है। ठहराव क्षेत्र अनेक यात्री अनुकूल सुविधाओं से लैस है, जिसमें टिकट काउंटरों की संख्या में वृद्धि, ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), जन उद्घोषणा प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक रेल सूचना प्रदर्शन बोर्ड, सीसीटीवी निगरानी, सामान स्कैनर, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी), निर्बाध बिजली आपूर्ति, रात के समय बेहतर रोशनी, हाई वॉल्यूम लो स्पीड (एचवीएलएस) पंखे, अग्निशमन प्रणाली, बिजली से सुरक्षा प्रणाली, आरओ पेयजल, और पुरुष, महिला और दिव्यांगजन के लिए अलग शौचालय, साथ ही बैठने की व्यवस्था शामिल हैं। इससे भीड़ कम करने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने में महत्वपूर्ण मदद मिली है, विशेष रूप से अधिकतम यातायात अवधि के दौरान। इसके अलावा, पहाड़गंज की ओर बेसमेंट का कार्य, पुराने ढांचे को तोड़कर गिराने का कार्य और जनोपयोगी साधनों का स्थानांतरण भी शुरू किया गया है।

मास्टर प्लान के अंतर्गत चुने गए स्टेशनों का कार्य विभिन्न चरणों में है। मास्टर प्लानिंग एक पुनरावृत्ति प्रक्रिया है जिसे इष्टतम करने की आवश्यकता होती है और इस चरण में इष्टतम करने के लिए समय सीमा बताना संभव नहीं है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण से स्टेशनों का निरंतर विकास करना शामिल है। इस योजना में स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और इन्हें चरणबद्ध रूप में कार्यान्वित करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशनों पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तैयार मास्टर प्लान में निम्नलिखित कार्य शामिल है:-

- स्टेशन तक पहुंच और परिचलन क्षेत्र में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण

- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पथ/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफार्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफार्म पर कवर
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमॉडल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एकजीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान

इस योजना में स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध तरीके से तथा व्यवहार्यता के अनुसार गिट्टी रहित रेलपथ आदि का प्रावधान और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण भी शामिल है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए फायर क्लियरेंस, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन,

रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अतः, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।
